नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भागीरथपुरा कांड : पूरे प्रदेश में वॉटर ऑडिट जरूरी

इंदौर को देश का सबसे स्वच्छ शहर कहा जाता है, लेकिन भागीरथपुरा में जहरीले पानी की घटना ने सबकी आंखें खोल दीं हैं. जर्जर पाइप लाइनों से सीवेज पीने के पानी में घुल गया, जिससे कई लोगों की जान चली गई. इस घटना के बाद कराए गए नगर निगम के ऑडिट में पता चला है कि इंदौर में ही 650 किलोमीटर पाइपलाइनें खराब हो चुकी हैं. यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे पुराने शहरों में भी यही हाल है. पुरानी इंफ्रास्ट्रक्चर और रखरखाव की कमी ने पूरे मध्य प्रदेश को खतरे में डाल दिया है. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कई फैसलों में साफ कहा है कि स्वच्छ पेयजल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है. जब प्यास बुझाना जानलेवा बन जाए, तो यह स्थानीय प्रशासन की नैतिक और कानूनी नाकामी है. स्वच्छ पानी कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरत है.

भागीरथपुरा जैसी त्रासदी बताती है कि शहरों का सौंदर्यीकरण तो हो रहा है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान कम है. स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में करोड़ों खर्च होते हैं, पर पाइप लाइनों का हाल देखें तो विकास का दावा अधूरा लगता है. भागीरथपुरा के बाद प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों में वॉटर ऑडिट अनिवार्य बनाना चाहिए. ज्यादातर शहरों के पुराने इलाकों में पाइप लाइनें 30-50 साल पुरानी हैं. वाटर ऑडिट से सड़ी-गली पाइपें ढूंढकर तुरंत बदली जा सकेंगी. पेयजल और ड्रेनेज लाइनें पास-पास होने से क्रॉस-कनेक्शन बन जाते हैं, जो समय बम की तरह हैं. जाहिर है ऑडिट इन बिंदुओं को चिह्नित कर सुधार सकता है. रिपोर्ट्स बताती हैं कि 40 से 60 प्रतिशत शुद्ध पानी लीकेज से बर्बाद हो जाता है. ऑडिट से रिसाव रोककर जल संकट कम होगा. इसके अलावा रासायनिक और जैविक जांच से हैजा, टाइफाइड, ई-कोलाई जैसी महामारियां पहले ही रोकी जा सकेंगी. ये कदम न केवल जान बचाएंगे, बल्कि संसाधनों का सदुपयोग भी सुनिश्चित करेंगे. हालांकि वॉटर ऑडिट लागू करने में चुनौतियां भी हैं. कई नगर निगमों के पास तकनीक और विशेषज्ञता की कमी है. बजट अभाव से रखरखाव टलता रहता है. फिर भी, केंद्र की जल जीवन मिशन योजना का लाभ उठाकर इसे संभव बनाया जा सकता है. सरकार हर जिले में ऑडिट टीम गठित करे, जिसमें इंजीनियर, वैज्ञानिक और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल हों. ऑडिट के बाद 'पाइपलाइन हेल्थ कार्ड' जारी हो, जिसमें स्थिति, मरम्मत योजना और समय सीमा स्पष्ट हो. जनता को भी जागृत किया जाए. इसके अलावा शहरों में वॉटर मीटर लगवाएं और शिकायत पोर्टल सक्रिय रखें.

कुल मिलाकर भागीरथपुरा की त्रासदी चेतावनी है. सरकार केवल इंदौर पर न रुके, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए 'सुरक्षित पेयजल प्रोटोकॉल' बनाए. जनता का पैसा सौंदर्य पर पहले खर्च न हो, बल्कि उन पाइप लाइनों पर लगे जो रसोई और बच्चों के गिलास तक जाती हैं. अगर पानी सुरक्षित नहीं, तो विकास के दावे खोखले हैं. समय है कि वॉटर ऑडिट विकल्प न रहे, अनिवार्य बने. इससे न केवल जीवन सुरक्षित होंगे, बल्कि मध्य प्रदेश सच्चे अर्थों में स्वच्छ और स्वस्थ राज्य बनेगा. जाहिर है पूरे प्रदेश में वॉटर ऑडिट कराना जरूरी है.

एमपी ने टीबी निदान में हासिल की बड़ी उपलब्धि

राजेन्द्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री

> सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 से बढ़कर 19 हुई है और निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 12 से बढ़कर 14 हुई है. दमोह, बुधनी और छतरपुर में आगामी सत्र से मेडिकल कॉलेज स्थापित होंगे, जबकि राजगढ़, मंडला और उज्जैन में मेडिकल कॉलेज स्थापना कार्य प्रगतिरत है. पीपीपी मॉडल पर 9 जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापना प्रक्रिया प्रगति पर है, जिनमें चार (कटनी, धार, पन्ना, बैतूल) निर्माण प्रक्रिया में हैं. ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर का संचालन प्रारंभ हो चुका है। सरकारी एमबीबीएस सीटें 2275 से बढ़कर 2850 हुई हैं और सरकारी व निजी मिलाकर कुल एमबीबीएस सीटें 5550 हो गई हैं। PG (MD/MS) सीटें 1262 से बढ़कर 1468 हुईं और कुल PG सीटें 2862 हो गई हैं. सुपरस्पेशियलिटी सीटें 93 उपलब्ध हैं. एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर के अस्पताल भवन, मिनी ऑडिटोरियम, नर्सिंग हॉस्टल आदि के लिए 773.07 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं. श्यामशाह मेडिकल कॉलेज, रीवा हेतु 321.94 करोड़ और सतना मेडिकल कॉलेज से जुड़े नए अस्पताल के लिए 383.22 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं.

मध्य प्रदेश ने क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है. राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं-आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर एवं जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन (बीडीक्यू) और प्रेटोमैनिड (पीटीएम) के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (एलसी डीएसटी) करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है.

यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग (सीटीडी) द्वारा प्रदान किया गया है. उल्लेखनीय है कि ये प्रयोगशालाएँ देश की उन शुरुआती 15 प्रयोगशालाओं में शामिल हो गई हैं, जहाँ यह अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण जाँच संभव हो पाई है. यह परीक्षण केवल बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशालाओं में ही किया जा सकता है. इससे पूर्व पूरे देश में केवल एनआईआरटी चेन्नई ही इस परीक्षण के लिए प्रमाणित था, जिसके कारण राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों की आवश्यकता को पूरा करना व्यवहारिक रूप से कठिन था.

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश ने टीबी के विरुद्ध लड़ाई में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है. राज्य की तीन प्रयोगशालाओं को नई पीढ़ी की टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन मिलना, हमारे स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता, वैज्ञानिक दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों को समय पर सटीक उपचार मिलेगा और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा. राज्य सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करती रहेगी.

इस प्रमाणन के माध्यम से अब इन प्रयोगशालाओं में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस पर बीडीक्यू एवं पीटीएम दवाओं की प्रभावशीलता की सटीक जाँच संभव होगी. इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों के उपचार में समय पर सही दवा व्यवस्था तय की जा सकेगी, उपचार परिणाम बेहतर होंगे तथा दवा प्रतिरोध के फैलाव को रोकने में भी मदद मिलेगी. नई बी-पाम उपचार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इन प्रयोगशालाओं का प्रमाणन टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा मरीजों को आधुनिक, सटीक एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2003 में 5 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और 1 निजी चिकित्सा महाविद्यालय था. जो अब बढ़कर 19 और 14 हो गए हैं. इसके साथ 4 जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापना पर कार्य चल रहा है. 9 अन्य जिलों में चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना की प्रक्रिया प्रगतिरत है. इसके अतिरिक्त 6 अन्य जिलों में केंद्रीय और राज्य मद से चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना का कार्य किया जा रहा है. भाजपा सरकार हर जिले में उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.

इसके साथ ही 4 सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, 2 स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, स्टेट वायरोलॉजी लैब, 5 वायरल डिजीस रिसर्च लैब, 6 मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट खोली गई हैं.

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनरल बेड की संख्या 2003 की तुलना में अब दोगुनी से भी ज़्यादा है. 15 हज़ार 500 आइसोलेशन बेड, 1695 आईसीयू बेड हैं. शिशु स्वास्थ्य के लिए 62 एसएनसीयू, 68 पीआईसीयू और 200 एनबीएसयू इकाइयाँ स्थापित की गयीं. इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज शिशु मृत्यु दर 85 से 37, मातृ मृत्यु दर 498 से 142 तक पहुंच गई है. सतत प्रयास जारी है ताकि मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मानकों को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष राज्यों में हम लायें.

मध्य क्षेत्र की डायरी

दूषित पानी से हैं शर्मसार

दिलीप झा

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी ने 20 लोगों की जान ले ली और अभी भी 50 लोग विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं और इनमें से 10 गंभीर मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा है. 8 जनवरी को 23 और नए मरीज आए और इनमें 6 की हालत गंभीर है. आजादी के 70 साल बाद भी क्या हम स्वच्छ जल के लिए जूझते रहेंगे, यह सभी राज्य सरकारों के लिए गहन चिंता का विषय जरूर होना चाहिए. इंदौर घटना की पुनरावृत्ति मध्यप्रदेश के दूसरे जिलों में न हो यह सुनिश्चित करना सरकार का काम है क्योंकि राजधानी भोपाल समेत सभी जिलों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है. पूरे प्रदेश से दूषित पानी की रिपोर्ट आ रही है यह चौंकाने वाली है और हमारे सिस्टम के लिए शर्मनाक है. जब राजधानी में यह हालात हैं तो प्रदेश के दूसरे जिलों में क्या स्थिति होगी इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है. इंदौर की घटना के बाद प्रदेश के सभी जिलों से दूषित पानी की खबरें आने लगी हैं. जिले के कलेक्टर शिकायत करने पर मुआयना करने पहुंच रहे हैं. काश यही गंभीरता पहले दिखाई जाती तो ऐसी नौबत नहीं आती.

सरकार सिस्टम से चलती है और अगर सिस्टम को हम ठीक से चलाने का प्रयत्न ही नहीं करेंगे तो सवाल उठेगा और जाहिर है विपक्षी दल कांग्रेस के नेता इसे मुद्दा बनाकर लोगों तक ले जाएंगे क्योंकि उन्हें भी अपनी राजनीति करनी है. प्रदेश की सरकार को चाहिए कि सिस्टमैटिक तरीके का पालन कर हर विभाग के कामकाज की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी गठित करें और उसमें स्वच्छ और दूरदर्शी छवि वाले व्यक्तियों को उसका सदस्य और अध्यक्ष बनाएं. सूत्र बताते हैं कि सरकार को बदनाम करने दूषित पानी मामले में गहरा षडयंत्र हुआ है. इसलिए सरकार को पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश देना चाहिए क्योंकि सरकार की छवि धूमिल हुई है. इस घटना के बाद विपक्षी दल कांग्रेस सरकार पर हमलावर है. इस घटना के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है.

बताया जा रहा है कि लोकसभा में प्रतिपक्ष

के नेता राहुल गांधी 11 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं और इस मसले पर सरकार को कटघरे में खड़ा करने की उनकी पूरी तैयारी है. ऐसे राजनीतिक हालात में सरकार के पास एक ही विकल्प है कि वह सीबीआई जांच के आदेश से यह सुनिश्चित करे कि दोषियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा.

डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी रुक नहीं रही

इन दिनों पूरे प्रदेश में एक बार फिर से डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी के मामले ने लोगों की नींद हराम कर दी. ये साइबर ठग भोलेभाले किसान समेत पुलिस अधिकारी, बैंक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे गजटेट रैंक के अधिकारियों को निशाना बनाकर मिनटों में उनके खातों से लाखों उड़ा देते हैं और पुलिस उनका कुछ नहीं कर पाती है. यह हैरानी की बात है कि ऐसी घटना अन्य प्रदेशों में बहुत कम है लेकिन मध्यप्रदेश में बहुत तेज रफ्तार में हो रही है. साइबर पुलिस क्या कर रही है. हर जिले में साइबर पुलिस का अमला है तो उनकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए. उनकी तिमाही समीक्षा बैठक डीजीपी को लेनी चाहिए. क्योंकि पूरे प्रदेश में कई गिरोह सक्रिय हैं जो लोगों की जीवन भर की कमाई को मिनटों में उड़ा देते हैं. पता नहीं पुलिस की क्या मजबूरी है वह इस प्रकार की ठगी रोक नहीं पा रही है. पुलिस अथवा सुरक्षा एजेंसियों को यह देखना चाहिए कहीं ये पैसे आतंकियों के हाथों में तो नहीं जा रहा है. पिछले सप्ताह बैतूल में 23 लाख की धोखाधड़ी और इस सप्ताह में इंदौर की एक बुजुर्ग महिला से 17 लाख की ठगी छोटा अपराध नहीं कह सकते हैं. मध्यप्रदेश साइबर पुलिस को ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की योजनाएं तैयार करनी चाहिए. अगर उसके पास कर्मचारियों की कमी है तो प्रस्ताव बनाकर सरकार को देना चाहिए.

प्रसंगवश आलेख
विश्व हिंदी दिवस
10 जनवरी

वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही हिंदी

डॉ. अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस

भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है. अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है.

विश्व में ऐसे भी स्थान है जहां भारतीय मूल के लोग नहीं है तब भी वहां पर हिंदी बोली समझी और पढ़ी जा रही है. आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है. इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है. अब विश्व का मानचित्र बदल गया है. पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया है किंतु अब हिंदी के लिए यह गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया है कि वहां कभी भी सूर्य अस्त नहीं होता.

भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे. यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ. इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं. प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है. अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं. फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श औडुर भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है.

भारतीय जनमानस में सहिष्णुता, समरसता और स्व का भाव उत्पन्न करने वाली हिंदी वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही है. हिंदी न केवल संख्या बल वरन भू विस्तार की दृष्टि से भी विश्व की प्रधान भाषाओं में से एक है. विश्व के मानचित्र पर तीसरी सबसे बड़ी संवाद शक्ति बनकर उभर रही हिंदी गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 50% से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता हिंदी में सामग्री का उपभोग कर रहे हैं. सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब और विकिपीडिया पर हिंदी कंटेंट रचनाकारों की संख्या करोड़ों में हो गई है. डिजिटल मीडिया के युग में हिंदी सिनेमा, संगीत, गीतों, उपग्रह से प्रसारित कार्यक्रमों, धारावाहिकों, भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, खानपान, योग, अध्यात्म, लोकतांत्रिक मूल्यों और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक सौम्य शक्ति 'सॉफ्ट पावर' के रूप में स्थापित कर दिया है. बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब हिंदी को अपनी रणनीति का अनिवार्य हिस्सा मान रही है. हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी हिंदी को ज्ञान विज्ञान की भाषा के रूप में नए आयाम दिए हैं. विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि विषयों की पाठ्य सामग्री भी अब हिंदी में सहजता से उपलब्ध होने के कारण शिक्षा का लोकतांत्रिकरण हो रहा है. विश्व के 180 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन प्रशिक्षण और शोध कार्य हो रहा है. इस प्रकार हिंदी विश्व भाषा बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है.

हमें फादर कामिल बुल्के के इन विचारों को नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर मॉरीशस में अभिव्यक्त किए थे 'द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि मॉरीशस के हिंदी भाषी नागरिकों से भारत के नागरिक प्रेरणा लेंगे और भारत में हिंदी को पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करेंगे. ऐसा हो जाने पर ही हिंदी को विश्व भाषा का गौरव प्राप्त होगा.'

अत: हम सबको अपनी भाषा की ओर लौटने, उसे महत्व देने और दुनिया के लिए उसकी उपादेयता सिद्ध करने की की सख्त जरूरत है. हमें गैर हिंदी भाषियों के प्रति भी सम्मान का भाव रखना होगा. उत्तर दक्षिण के मध्य सेतु बनाए रखने के लिए हमें एक दूसरे की कम से कम एक भाषा को जरूर सीखना चाहिए. यदि हम ऐसा कर सके तो जैसे 19 वीं सदी फ्रेंच भाषा की और 20 वीं सदी अंग्रेजी की थी तो 21वीं सदी हमारी होगी हिंदी की होगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12137 - डॉ. सागर खादीवाला

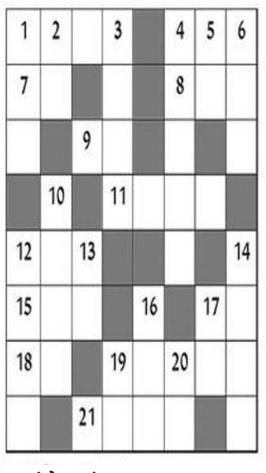

ऊपर से नीचे
1 कसम, सौगंध, प्रतिज्ञा (सं.) 2. ताकत, शक्ति 3. चांदी-सोने आदि पर मीना करने वाला (उर्दू) 4. संवाद या समाचार देने वाला, वह जो किसी विशेष स्थान से समाचार लिखकर समाचार पत्र में छपने के लिए भेजता हो 5. सप्ताह के कुल दिनों की संख्या 6. चांदी (सं.) 10. चंद्रमा (सं.) 12. शिक्षा, नसीहत (सं.) 13. लुआब, मुंह से निकलने वाला थूक 14. भय या शीत से कांपना, थर्राना 16. पद (उर्दू) 17. स्त्री जाति का प्राणी या जीव 19. बाण, सरकंडा (सं.) 20. रण, युद्ध, जंगल

बाएं से दाएं
1. ओस से बचने के लिए छत पर टांगने का कपड़ा, मसहरी, मच्छरदानी (उर्दू), 4. दुनिया, जगत 7. समय का एक लघु विभाग जो 24 सेकंड के बराबर होता है 8. वायु द्वारा उत्पन्न (सं.) 9. अवसर, वह स्थान जहां पर कोई घटना घटी हो (उर्दू) 11. दानेदार, शुभचिंतक (उर्दू) 12. उज्ज्वल, स्वच्छ, सफेद 15. पानी निकाला हुआ दही, फाड़कर जमाया हुआ दूध 17. मास, महीना 18. राष्ट्र, मुल्क 19. शहर में रहने वाला (उर्दू) 21. देवता या बड़ों के प्रसन्न होने पर कोई अभीष्ट वस्तु या सिद्धि प्रदान करना

Solution 12136

रो	क	था	म	■	■	ना	शी
म	द	■	■	हि	रा	स	त
कू	■	म	हि	मा	■	दा	ल
प	ला	श	■	ल	ल	न	■
■	स	हू	लि	य	त	■	क
म	क	र	■	■	खो	ख	ला
ही	■	■	अ	स	र	दा	र
न	त	म	स्त	क	■	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है,व्यय मेंकमी होगी, व्यवसाय मेंसुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम केउपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्ययहोगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय मेंवृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र मेंवृद्धि होगी, यश कीर्ति बढ़ेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को शत्रु षड़यंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अपनी कार्यक्षमता का परिणाम सुखद प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर सुशील मिलनसार और न्यायप्रिय होगा, भूमि भवन मकान आदि का सुख रहेगा. नौकरी आदि में सफलता मिलेगी. माता का भक्त होगा. जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

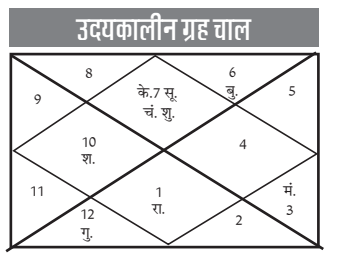

पंचांग

रा.मि. 20 संवत् 2082 माघ कृष्ण सप्तमीं शनिवासरे दिन 11/5, हस्त नक्षत्रे शाम 6/21, अतिगण्ड योगे रात 7/52, वव करणे सू.उ. 6/44, सू.अ. 5/16, चन्द्रचार कन्या, शु.रा. 6, 8, 9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक-8,0,5.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण सप्तमीं को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीपल खांड़ गेहूँ, सूत, जौ, चना, तिल, तेल, में तेजी होगी. वायदा विचार आज शेयर बाजारों के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2559 है.

मेष- स्वास्थ्य में उतार चढाव बना रहने से सेहत बिगड़ सकती है. मामूली बात पर मित्रों से कहासुनी होगी. मानसिक प्रसन्नता होगी. थोडे लाभ में भी संतोष रहेगा.

वृषभ- आपके सहज स्वाभाव का लोग गलत फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं. निकट संबंधियों का सहयोग रहेगा.मनचाही सफलता मिलेगी. कामकाज पूरा होगा.

मिथुन- आपका कड़ा व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है. विद्या पक्ष में उन्नति होगी. कामकाजी महिलाओं को अच्छी सफलता का योग है.

कर्क- आकस्मिक विस्तार की संभावना को बल मिलेगा. कामकाज की देरी से खिन्नता होगी. कोर्ट कचहरी के कार्यो में यथेष्ठ सफलता मिलेगी.

सिंह- आप किसी बात को लेकर भयभीत हो सकते हैं. मित्रों का साथ वृश्चिके बढ़ने की हिम्मत देगा. परिश्रम अधिक रहेगा. किसी विशिष्ट व्यक्ति से सहयोग मिलेगा.

कन्या- मित्रों से किया गया वादा निभाना मुश्किल होगा, नए काम की तलाश में सफलता मिलेगी. कामकाज के प्रति उत्साह बना रहेगा. व्ययभार की अधिकता रहेगी.

तुला- कामकाज निपटाने के लिये किसी के सहयोग की जरूरत होगी. लाभ होने का योग है. यात्रा आदि का योग प्रबल रहेगा. प्रयत्नों में सफलता मिलेगी.

वृश्चिक- दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें. परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी. सुखद अनुभवों की प्राप्तिहोगी.

धनु- भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी संभव है. कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव व बर्चस्व बढ़ेगा. स्त्री जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. आर्थिक कार्यों में सुधार होगा.

मकर- कुछ लोग आपसे नजदीकी का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं. व्यवसायिक क्षेत्र में सुधार होगा. अतिथि वृश्चिकमन का योग है. संयम से कार्य करें.

कुम्भ- रूकी योजनाओं में गति देने में सफलता मिलेगी. पारिवारिक परेशानी दूर होगी. हितकारी लाभदायक योजनायें बनेंगी. उत्साह बना रहेगा.

मीन- कैरियर में आ रही बाधा दूरी होंगी. कम लाभ में भी संतोष रहेगा. अतिथि आगमन होगा. उचित मार्गदर्शन मिलेंगे. मित्र आपकी मदद करेंगे.

SUDOKU 7269

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7268

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7